

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में आयोजित किया गया

13 मार्च, 2024, कोलकाता:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), वाणिज्यिक फसलों पर केंद्र प्रायोजित योजना के तहत "जूट/ मेस्टा/ रेमी/ सनहेम्प की उत्पादन और रेटिंग तकनीक में अन्य संबंधित पहलू" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण आज यहां शुरू किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. एन.सी. पान ने जूट और अन्य प्राकृतिक रेशों में प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के महत्व के बारे में बात की।

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक ने संस्थान में विकसित प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षुओं से वैज्ञानिकों के साथ अधिक से अधिक बातचीत करने का आग्रह किया।

डॉ. एल.के. कार्यक्रम के प्रमुख एवं समन्वयक नायक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान व्याख्यान और व्यावहारिक के माध्यम से जूट और अन्य प्राकृतिक फाइबर निष्कर्षण और प्रसंस्करण की प्रक्रिया में हाल की प्रगति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। तीन जूट उत्पादक राज्यों पश्चिम बंगाल, ओडिशा और मेघालय से पंद्रह (15) अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया है।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

National Level Training under National Food Security Mission (NFSM) organized at ICAR-NINFET, Kolkata

13th March, 2024, Kolkata:

A 3-days National Level Training on *“Production and Retting technology of jute/ mesta/ ramie/ sunnhemp includes other related aspects”* under Centrally Sponsored Scheme on National Food Security Mission (NFSM), Commercial Crops was started here today.

Dr. N.C. Pan, Chief Guest has spoken about the importance of processing & value addition in jute and other natural fibres.

Dr. D.B. Shakyawar, Director has highlighted upon the technologies developed at the institute and urged the trainees to have more & more interaction with the scientists.

Dr. L.K. Nayak, Head & Coordinator of the programme has welcomed the participants and briefed about the training schedule.

Recent advances in the process of jute & other natural fibres extraction & processing will be deliberated through lecture and practical during the training. Fifteen (15) officials from three jute growing states viz. West Bengal, Odisha and Meghalaya have participated in this training.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the Programme



डॉ. शाक्यवार के द्वारा डॉ. एनसी पान का स्वागत करते हुए/ Dr Shakyawar welcomes Dr NC Pan



डॉ. शाक्यवार भाषण देते हुए/ Speech by Dr Shakyawar



स्वागत भाषण देते हुए डॉ एल के नायक/
Welcome address by Dr LK Nayak



प्रतिभागी/ Participants

